This question paper contains **8** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

136

B.Com. (बी.कॉम.)/I **J-I**

Paper V—HINDI (A)

प्रश्नपत्र V—हिंदी (क)

(भाषिक प्रयोग और क्षमता, संप्रेषण क्षमता, काव्य संकलन, गद्य संकलन, द्रुत वाचन इत्यादि)

(प्रवेशवर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 *घण्टे* *पूर्णांक* : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) राम प्रेम बिनु दूबरो, राम प्रेमही पीन।

रघुबर कबहुँक करहुगे, तुलसिहि ज्यों जल मीन॥

× × ×

तुलसी जौं पै राम सों, नाहिन सहज सनेह।

मूँड़ मुड़ायो बादिहीं, भाँड़ भयो तजि गेह॥

P.T.O.

अथवा

धूप चमकती है चांदी की साड़ी पहने,

मैके में आई बेटी की तरह मगन है,

फूल सरसों की छाती से लिपट गई है,

जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं। 8

(ख) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर इसके अन्त में दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मध्य निशा, निर्मल निरभ्र नभ, दिशा विराग-विहीना।

विलसित था अंबर के उर पर अद्‌भुत एक नगीना।

उसी विशद् प्रभा सर, निर्झर, तृण, लतिका द्रुम-दल में।

करती थी विश्राम, परम अभिराम निशीथ-कमल में॥

(*i*) पद में निहित प्रकृति का चित्रण कीजिए।

(*ii*) पद में प्रयुक्त अलंकारों का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) 'करती थी विश्राम, परम अभिराम निशीथ कमल में' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 3+2+3=8

2. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

संयमन का उपदेश हमारे ऋषि मुनि देते आये हैं। किन्तु इसके बुरे नतीजे भी हमारे सामने हैं—बड़े-बड़े तपस्वियों की लंबी-लंबी तपस्याएँ एक रम्भा, एक मेनका, एक उर्वशी की मुस्कान पर स्खलित हो गयीं। आज भी देखिए। गाँधी जी के तीस वर्ष के उपदेशों और आदेशों पर चलने वाले हम तपस्वी किस तरह दिन-दिन नीचे गिरते जा रहे हैं ?

अथवा

वीरता का विकास नाना प्रकार से होता है। कभी तो उसका विकास लड़ने-मरने में, ख़ून बहाने में, तलवार और तोप के सामने जान गँवाने में होता है। कभी प्रेम के मैदान में उसका झंडा होता है। कभी साहित्य

और संगीत में वीरता खिलती है। कभी जीवन के गूढ़ तत्त्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं। कभी किसी आदर्श पर और कभी किसी पर वीरता अपना फरहरा लहराती है। 8

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इसके अन्त में दिये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बहसों में यों तो दुनिया-जहान के विषय पीसे जाते हैं, पर एक विषय शायद सब लोगों का बहुत प्रिय है और वह है शादी। शादी यानी बर्बादी। हल्के-फुल्के ढंग से शुरू हुई बात एकदम बौद्धिक स्तर पर चली जाती है—विवाह-संस्था एकदम खोखली हो चुकी है··· पति-पत्नी का सम्बन्ध बड़ा नकली और ऊपर से थोपा हुआ है·····और फिर धुआँधार ढंग से विवाह की धज्जियाँ

उड़ाई जाती हैं। इस बहस में अक्सर स्त्रियाँ एक तरफ हो जाती हैं और पुरुष एक तरफ।

(*i*) 'शादी' को बर्बादी क्यों कहा जाता है ?

(*ii*) क्या वर्तमान में विवाह नामक संस्था एकदम खोखली हो चुकी है ?

(*iii*) 'विवाह-संस्था' को लेकर होने वाली बहस में स्त्री और पुरुष अलग-अलग खेमों में क्यों बँट जाते हैं ? 2+3+3=8

3. कबीरदास के पदों का सारांश लिखिए। 9

अथवा

'पथिक' कविता का उद्देश्य लिखिए।

4. 'आत्मशिक्षण' कहानी **अथवा** 'गेहूँ और गुलाब' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखिए। 9

5. (*i*) ब्रज भाषा' **अथवा** 'खड़ी बोली' पर टिप्पणी लिखिए। 5

(*ii*) टिप्पण की परिभाषा देते हुए एक अच्छे टिप्पण के गुण बताइए। 5

अथवा

संक्षेपण **अथवा** प्रारूपण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

(*iii*) कोश की परिभाषा देते हुए एकभाषीय कोश की विशेषताएँ लिखिए। 5

अथवा

निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए :

मेघा, बादल, कमल, निशा, सुबह, धर्म, काम, चोर, मन, आकाश।

(*iv*) कम्प्यूटर में हिंदी के सार्थक प्रयोग पर प्रकाश डालिए। 5

(*v*) किन्ही **पाँच** शब्दों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए : 5

Agreement, Claim, Coin, Credit, Dealer, Deposit, Export, Gross, Lending, Security.

6. (*i*) कार्यालयी पत्र-लेखन के प्रमुख प्रकार लिखिए। 5

अथवा

अध्यापक-पद हेतु स्ववृत्त तैयार कीजिए।

(*ii*) विज्ञापन की परिभाषा देते हुए विज्ञापन की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। 5

(*iii*) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संक्षिप्त लेख लिखिए :

(क) मेरा प्रिय खेल;

(ख) भ्रष्ट राजनीति;

(ग) महाविद्यालय का पहला दिन;

(घ) भारत : प्रगति की राह पर। 5

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) धनिया किसकी पत्नी थी ? धनिया ने अपने पति की मृत्यु के क्षणों में उसके हाथ पर क्या रखकर गोदान किया ?

(ख) 'मालती' के चरित्र की **दो** विशेषताएँ बताइये।

(ग) 'गोदान' उपन्यास की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'गोदान' में प्रेमचन्द ने किस समस्या को उठाया है ?

(ङ) 'गोदान' उपन्यास में वर्णित शहरी जीवन की **दो** विशेषताएँ बताइये।

अथवा

(क) 'इला' नाटक के आधार पर 'मनु' के चरित्र की **दो** विशेषताएँ बताइये।

(ख) 'इला' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'इला' नाटक के संवादों की **दो** विशेषताएँ बताइये।

(घ) शरीर-परिवर्तन के बाद 'इला' को क्या अनुभव होता है ?

(ङ) 'इला' नाटक के कथा-संगठन की **दो** विशेषताएँ बताइये। 2×5=10